बृहस्पतिवार
24 मार्च 2022

पृष्ठ 6

फिल्म सना से बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी पूजा भट्ट

पृष्ठ 8

चुनाव खत्म हो गया है, महंगाई वापस आ गई है: संजय राउत

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 56
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

असत्य फूस के ढेर की तरह है। सत्य की एक चिनगारी भी उसे भस्म कर देती है।

– हरिभाऊ उपाध्याय

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भाजपा एक और इतिहास रचने की तैयारी में

रितु खंडूरी का स्पीकर बनना तय!

विशेष संवाददाता

देहरादून। दो बार लगातार राज्य में सत्ता में आने का इतिहास रचने और चुनाव हारने वाले पुष्कर सिंह धामी को ही फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाने का करिश्मा करने के बाद भाजपा एक और नया अध्याय सूबे की राजनीति में लिखने जा रही है और वह अध्याय है किसी महिला को पहली बार विधानसभा अध्यक्ष का दायित्व सौंपा जाना। यह उपलब्धि पूर्व सीएम बीसी खंडूरी की बेटी रितु खंडूरी के हिस्से में दर्ज होने जा रही है। भाजपा यह फैसला ले चुकी है अब इसकी औपचारिकताएं पूरा किया जाना भर शेष है। जो आज उनके नामांकन पत्र भरने के साथ शुरू होगी।

रितु खंडूरी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेवारी पार्टी ने उनके समर्पण भाव से सेवा और बड़ी जीत के लिए दी है। 2017 में यम्केश्वर से चुनाव जीतकर वह विधायक बनी लेकिन 2022 के चुनाव में पार्टी ने उनका विधानसभा क्षेत्र बदलकर यम्केश्वर से कोटद्वार कर दिया

❑राज्य की पहली महिला स्पीकर होंगी रितु खंडूरी
❑महिला सशक्तिकरण के संदेश देने की कोशिश

गया लेकिन रितु खंडूरी ने इसका विरोध करने की बजाय इसे नई चुनौती के रूप में लिया। इस चुनाव में खास बात यह थी कि इस सीट पर उनका मुकाबला एक ऐसे कांग्रेस प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह नेगी से था जिन्होंने मुख्यमंत्री और उनके पिता बीसी खंडूरी को हराया था और भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया था। इस बार भी रितू खंडूरी ने 3000 से भी अधिक मतों से सुरेंद्र सिंह नेगी को शिकस्त दी। जिसने पार्टी हाईकमान को अत्यधिक प्रभावित किया। धामी के चुनाव हारने के बाद उनका नाम सीएम पद के दावेदारों में शामिल रहा। रितु खंडूरी को मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने के बाद ही यह तय हो गया था कि उन्हें स्पीकर की कुर्सी सौंपी जाएगी।

आज और कल स्पीकर के लिए नामांकन होने हैं। लेकिन विपक्ष कांग्रेस की कमजोर स्थिति के कारण उसकी तरफ से किसी का नामांकन कराया जाए ऐसा नहीं लगता है। वहीं भाजपा में भी इस दौड़ में उनके साथ अन्य कोई नहीं दिखता है, या फिर पार्टी की मर्जी के खिलाफ कोई नहीं जा सकता है। इसलिए रितु खंडूरी का निर्विरोध स्पीकर चुना जाना लगभग सुनिश्चित है। अब महज इसकी संवैधानिक औपचारिकताएं पूरी किया जाना ही शेष है। भाजपा के इस फैसले के पीछे महिला सशक्तिकरण का संदेश देना भी एक अहम कारण है क्योंकि इस बार भाजपा की इस बड़ी जीत का मुख्य आधार महिलाएं ही मानी जा रही है।

श्री गुरु राम राय दरबार की नगर परिक्रमा का जगह-जगह हुआ स्वागत

संवाददाता

देहरादून। झण्डा मेले के तीसरे दिन श्री गुरू राम राय दरबार से नगर परिक्रमा का शुभारम्भ किया गया जिसमें हजारों की संख्या में संगत गुरू राम राय महाराज की जय, श्री दरबार साहिब के सज्जादानशीन श्री महंत देवेन्द्र दास महाराज की जय के नारों से द्रोण नगरी भक्तिमय हो गयी। नगरवासियों ने कई स्थानों पर नगर परिक्रमा का फूलों से स्वागत किया।

❑गुरु राम राय महाराज के जयकारों से भक्तिमय हुई द्रोण नगरी

आज यहां झण्डा मेले के तीसरे दिन प्रत्येक वर्ष की भांति प्रातः श्री गुरू राम राय दरबार साहिब से नगर परिक्रमा का शुभारम्भ हुआ। नगर परिक्रमा में हजारों की संख्या में भक्तजन मौजूद रहे तथा नगर परिक्रमा के शुरू होते ही गुरू राम राय महाराज की जय, महंत देवेन्द्र दास जी की जय के जयकारे लगने लगे। नगर परिक्रमा झण्डे साहिब से सहारनपुर चौक, कांवली रोड होते हुए श्री गुरू रामराय पब्लिक स्कूल बिन्दाल पहुंची जहां पर बाहर से आयी संगतों को बिदाई दी गयी। जिसके बाद नगर परिक्रमा तिलक रोड,

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली । पंजाब के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। माना जा रहा है कि सीएम भगवंत मान दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल से भी मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि नेता राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात करते रहे हैं।

सीएम भगवंत से मुलाकात की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से एक ट्वीट किया गया । इसमें कहा गया– पंजाब के सीएम भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बीते १६ मार्च को शहीद–ए–आजम भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़ कलां में भगवंत मान ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके बाद पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी थी। उन्होंने कहा था कि केंद्र, राज्य के साथ मिलकर पंजाब की प्रगति के लिए काम करेगा। पीएम ने कहा था–भगवंत मान को पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई। पंजाब के विकास और राज्य के लोगों के कल्याण के लिए मिलकर काम करेंगे। उधर, सरकार बनने के बाद भगवंत मान की सरकार ने काम करना शुरू कर दिया है। सीएम भगवंत मान ने बुधवार को शहीदी दिवस पर एंटी करप्शन हेल्पलाइन की शुरुआत की है। इस संदर्भ में सीएम भगवंत मान ने कहा था– शहीदी दिवस के अवसर पर, हम भ्रष्टाचार निरोधी हेल्पलाइन शुरू कर रहे हैं।

देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 1938 नए केस सामने आए, 67 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस महामारी अब थमती हुई नज़र आ रही है। देश में पिछले २४ घंटों में कोरोना वायरस के एक हजार १६३८ नए केस सामने आए हैं और ६७ लोगों की मौत हो गई बता दें कि इससे पहले कल कोरोना के १७७८ केस दर्ज किए गए थे और ६२ लोगों की मौत हुई थी। इसके साथ ही अबतक कोरोना के ४ करोड़ ३० लाख १४ हजार ६८७ मामले सामने आ चुके हैं।

पिछले २४ घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में ६६० की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ९८.७५ प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर ०.२९ प्रतिशत और साप्ताहिक दर

०.३५ प्रतिशत दर्ज की गई। देश में अभी तक ७८.४९ करोड़ से अधिक नमूनों की कोविड–१९ संबंधी जांच की गई है, जिनमें से ६,६१,९५४ नमूनों की जांच पिछले २४ घंटे में की गई। देश में अभी तक कुल ४,२४,७५,५८८ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–१९ से मृत्यु दर १.२० प्रतिशत है।

वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड–१९ रोधी टीकों की १८२.२३ करोड़ से अधिक खुराक दी गई हैं। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी।

संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २९ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे। देश में १९ दिसंबर २०२० को ये मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और २३ जून २०२१ को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग

उत्तराखंड में फिर एक बार पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा ने सत्ता संभाल ली है। कल संपन्न हुए शपथ ग्रहण में अभी मंत्रिमंडल को 8 सदस्यों तक ही सीमित रखा गया है। भले ही भाजपा नेतृत्व द्वारा मंत्रिमंडल गठन में सोशल इंजीनियरिंग का कमाल दिखाने की लाख कोशिशें की गई हो लेकिन भाजपा के 47 सदस्यीय विधानमंडल दल से सिर्फ 8 लोगों को मंत्री बनाकर क्या संतुलन लाया जा सकता था और कितने लोगों को संतुष्ट किया जा सकता था? यह एक बड़ा सवाल है। इस मंत्रिमंडल में सीएम सहित तीन ठाकुर और सौरभ बहुगुणा सहित तीन ब्राह्मण तथा रेखा आर्य व चंदन रामदास सहित दो दलित चेहरों व प्रेमचंद्र अग्रवाल को जगह देकर एक वैश्य को रखा गया है। अभी मंत्रिमंडल में तीन मंत्री पद खाली रखे गए हैं। यह पद क्यों खाली रखे गए हैं इसके पीछे के कारणों को भाजपा के रणनीतिकार ही जान सकते हैं। 2017 में भी भाजपा सरकार ने दो मंत्री पद खाली रखे गए थे जिन्हें अंत तक नहीं भरा जा सका था। जहां तक पुराने मंत्रिमंडल की बात थी उसमें कई वरिष्ठ और कई बड़े चेहरे हैं जिन्हें मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया गया है। इनमें मदन कौशिक, अरविंद पांडे, व सातवीं बार विधायक बने और बड़े मतांतर से जीत कर आने वाले बिशन सिंह चुफाल भी शामिल है। जो अब यह कह रहे हैं कि उनकी उपेक्षा क्यों की गई वह यह सवाल अपने नेतृत्व से पूछना चाहते हैं। लेकिन हम सभी यह भी जानते हैं कि अब भाजपा में किसी नेता द्वारा हाईकमान से कुछ न पूछने की हिम्मत है और न किसी की कोई बात सुनी जा सकती है। भाजपा में हाईकमान जो भी फैसला सुना दे उसे सिर झुका कर सिर्फ मानना होता है। धामी के इस मंत्रिमंडल में बुजुर्ग नेताओं को किनारे किए जाने और युवाओं को तरजीह देने की कोशिश की गई है। सतपाल महाराज इस मंत्रिमंडल में सबसे उम्रदराज है जबकि सौरव बहुगुणा जिन्हें उनके पिता के कारण मंत्रिमंडल में जगह मिली है सबसे युवा चेहरा है और वह पहली बार मंत्री बने हैं। मंत्रिमंडल में जो 3 पद खाली रखे गए है उनके बारे में सोच यह भी हो सकती है कि कम से कम पद खाली देखकर मंत्री पद की उम्मीद लगाए बैठे दर्जन भर से अधिक विधायक फिलहाल यह सोचकर खामोश तो रहेंगे कि उन्हें आने वाले समय में मंत्री बनाया जा सकता है। मंत्रिमंडल में हरिद्वार और नैनीताल जैसे जिलों को कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है वहीं पहाड़ के 5 जिलों से कोई भी मंत्री नहीं बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में गढ़वाल से पांच और कुमाऊं से तीन मंत्रियों को जगह दी गई है। खैर अब यह देखना है कि यह तीन खाली मंत्री पद कब भरे जाते हैं और आखरी साल तक भरे भी जाते हैं या नहीं। पिछली सरकार से शुरू हुई यह परंपरा भले ही गलत सही लेकिन इसके खिलाफ कोई आवाज उठाने वाला भी नहीं है। लेकिन जनहित में इसे उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

उत्तराखंड रोडवेज की संचालित बसों में से 326 संचालन से बाहर, 135 बसों की कमी

हमारे संवाददाता

काशीपुर। उत्तराखंड रोडवेज यात्रियों को बेहतर सुविधायें देने के कितने भी दावे करें लेकिन वास्तविकता में उसके बेड़े में शामिल बसों में कमी की जा रही है। स्थिति यह है कि 2021 व 2022 में 5 मार्च तक कोई नई बस रोडवेज में संचालन हेतु शामिल भी नहीं की गयी है, यात्री 10 वर्षों से अधिक पुरानी 29 बसों में भी यात्रा करने को मजबूर है।

यह खुलासा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) को उत्तराखंड परिवहन निगम मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ है। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने उत्तराखंड परिवहन निगम मुख्यालय के लोक सूचना अधिकारी से निगम में संचालित पुरानी व नई बसों की सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में अपने पत्रांक 52 दिनांक 5 मार्च 2022 को लोक सूचना अधिकारी/सहायक महाप्रबंधक (तकनीकी) भूपेश आनन्द कुशवाह ने महाप्रबंधक (संचालन) दीपक जैन द्वारा हस्ताक्षरित बसों संबंधी विवरण की प्रति उपलब्ध करायी है। परिवहन निगम द्वारा जनवरी 2020 से सूचना उपलब्ध कराने की तिथि 5 मार्च 2022 तक कुल 326 बसे संचालन से बाहर की गयी है। जबकि इस अवधि में 2020 माडल की केवल 191बसे ही शामिल

की गयी है।

उपलब्ध सूचना के अनुसार उत्तराखंड रोडवेज में वर्तमान में 29 बसे दस वर्ष से अधिक पुरानी संचालित है जिसमें सर्वाधिक रूद्रपुर में 7, ऋषिकेश व हरिद्वार डिपो में 5-5, काठगोदाम में 6, हल्द्वानी में 1, देहरादून ग्रामीण में 2 तथा टनकपुर डिपो की 3 बसे शामिल है। इसके अतिरिक्त 5 वर्ष से 10 तक पुरानी 645 बसें संचालित हैं। जिसमें सर्वाधिक 72 देहरादून पर्वतीय व 67 टनकपुर डिपो में, सबसे कम 9 श्रीनगर डिपो में शामिल है। अन्य डिपो में काशीपुर व रूड़की में 20-20, अल्मोड़ा व कोटद्वार में 33-33, रानीखेत व भवाली में 24-24, ऋषिकेश व हरिद्वार में 35-35, काठगोदाम में 47, हल्द्वानी में 49, रामनगर में 36, रूद्रपुर व लोहाघाट में 26-26, देहरादून ग्रामीण में 40 तथा पिथौरागढ़ डिपो में 49 बसे संचालित है।

5 वर्ष से कम पुरानी संचालित बसों की उपलब्ध करायी सूचना के अनुसार ऐसी कुल 313 बसों में सर्वाधिक 35 देहरादून ग्रामीण डिपो तथा सबसे कम 5 बसे रानीखेत डिपो में संचालित है। जबकि अन्य डिपो में काशीपुर, कोटद्वार व पिथौरागढ़ में 19-19, अल्मोड़ा, लोहाघाट व रूड़की में 10-10, काठगोदाम में 24, ऋषिकेश में 22, हल्द्वानी में 23, रामनगर में 14, देहरादून पर्वतीय में 17, हरिद्वार व रूद्रपुर में 20-20, भवाली में 7 व टनकपुर में 29 बसें शामिल है।

उपलब्ध सूचना के अनुसार नई बसे 2020 मॉडल की कुल 191 बसों में से सर्वाधिक 35 देहरादून ग्रामीण डिपो तथा सबसे कम 2 देहरादून पर्वतीय व 4 कोटद्वार डिपो में शामिल की गयी है। अन्य डिपो में शामिल नयी बसों में काशीपुर व ऋषिकेश में 15-15, अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ में 5-5, काठगोदाम व हल्द्वानी में 16-16, रामनगर में 12, हरिद्वार में 20, रूद्रपुर में 14, टनकपुर में 22 तथा रूड़की डिपो में 10 बसें शामिल हैं। 1 जनवरी 2020 से सूचना उपलब्ध कराने तिथि तक (5 मार्च 2022 तक) कुल 326 बसों को संचालन से हटाया गया है। इसमें हल्द्वानी डिपो से 21, देहरादून के डिपो से 47, टनकपुर से 51, ऋषिकेश से 10, हरिद्वार से 71, काठगोदाम से 52, रूद्रपुर से 18 तथा काशीपुर से 19 तथा रामनगर व देहरादून पर्वतीय डिपो से 10-10, कोटद्वार से 8 व रूड़की डिपो से 9 बसों को संचालन से हटाया गया है।

वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दुनिया से रूस के युद्ध को रोकने की अपील की

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध का आज ३०वां दिन है। इस एक महीने के दौरान रूस यूक्रेन पर हमले पर हमला करता जा रहा है और रूस के हमलों से बचने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की कभी नाटो के सामने हाथ फैला रहे हैं, तो कभी अमेरिका और पश्चिमी देशों के सामने झोली फैला रहे हैं।

अब उन्होंने दुनिया के लोगों से यूक्रेन का समर्थन और रूस का विरोध करने की अपील की है। उन्होंने दुनिया से रूस के युद्ध को रोकने की अपील की है। समाचार एजेंसी एएनआई के एक ट्वीट के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ वैश्विक विरोध करने की अपील की है। जेलेंस्की ने एक वीडियो जारी करके कहा है कि यूक्रेन की स्वतंत्रता और उसके निवासियों के जीवन का समर्थन के लिए २४ मार्च से अपनी गलियों, चौक-चौराहों, सड़कों, घरों की बालकॉनियों में यूक्रेन के प्रतीक चिह्नों के साथ आएं और रूस का विरोध करें।

जेलेंस्की ने आगे कहा कि मैं आपसे युद्ध के खिलाफ खड़े होने की अपील करता हूं। यूक्रेन के प्रति अपने समर्थन को दिखाओ। अपने कार्यालयों, अपने घरों, अपने स्कूलों और विश्वविद्यालयों से लोग आगे आएं। शांति के नाम पर आएं। यूक्रेन का समर्थन करने के लिए, स्वतंत्रता का समर्थन करने के लिए, जीवन का समर्थन करने के लिए यूक्रेनी प्रतीकों के साथ इस रैली में शामिल हों।

उपनल नियमों में बदलाव कर नये नियमों के साथ नर्सिंग कर्मियों को उनके कार्य पर रखा जाये: खत्री

विशेष संवाददाता

देहरादून। उपनल के माध्यम से दून हॉस्पिटल में नियुक्त हुए नर्सिंग कर्मियों द्वारा आज गांधी पार्क के द्वार पर भैंरव सेना संगठन के साथ वार्ता कर एक प्रार्थना पत्र सौंपा। जिसमें कोरोना काल के दौरान नियुक्त हुए 462 कर्मियों को 31 मार्च को सेवा समाप्त होने के कारण उनके रोजगार से निकाला जाएगा, जिस कारण बेरोजगार होने के डर से प्रशासन को सुध लेने तथा चेताने के लिए उन्हे संगठन की शरण में पहुंचना पड़ा। सुबह 11 बजे लगभग 70 से 80 दून अस्पताल के नर्सिंग कर्मी जोकि उपनल के माध्यम से नियुक्त हुए थे वह भैंरव सेना संगठन अध्यक्ष संदीप खत्री से मिले और आंदोलन हेतु सहयोग देने की मांग की। जिस पर सहयोग एवं समर्थन हेतु सहमति देने के साथ ही भैंरव सेना अध्यक्ष संदीप खत्री ने आक्रोशित होकर अवगत कराया कि हाल ही में 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान' ऋषिकेश में राजस्थान के 600 कर्मियों को आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से रोजगार दिया गया। वहीं उत्तराखंड में उपनल जो कि सरकारी विभागों में आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोजगार देने का कार्य करती है उनके द्वारा नर्सिंग कर्मियों को नोटिस जारी कर बेरोजगार करना उचित नहीं है। हमारी मांग यही है कि उपनल के नियमों में बदलाव कर रोजगार कर रहे नर्सिंग कर्मियों को नए नियमों के साथ उनके कार्य पर जारी रखा जाना चाहिए। अन्यथा संगठन को उत्तराखंड में क्षेत्रीय युवाओं को बेरोजगार करने तथा पलायन करने के लिए मजबूर करने के लिये विवश करने के लिए मजबूर करने के संबंध में आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा। सभा में उपस्थित राज्य आन्दोलनकारी सैन्य शिरोमणि मनोज ध्यानी ने चेताया की उत्तराखंड राज्य इसलिए नहीं बना था कि बाहरी राज्यों से आए लोगों को यहां पर रोजगार दिया जाए और अपने राज्यों के लोगों को दिए गए रोजगार को भी छीन लिया जाए। आज हुई विशेष चर्चा में आंदोलन को मजबूत करने के लिए चर्चा हुई जिसमें भैंरव सेना अध्यक्ष संदीप खत्री, प्रदेश सचिव संजीव टांक, कपिल तलवार सहित दर्जनों पीड़ित नर्सिंग कर्मी उपस्थित रहे।

दिवेदिवे सदृशीरन्यमर्धं कृष्णा असेधदप सद्मनो जाः।
अहन्दासा वृषभो वस्नयन्तोदव्रजे वर्चिनं शम्बरं चं।।

(ऋग्वेद ६-४७-२१)

जिस प्रकार सूर्य पृथ्वी के आधे भाग का अंधकार प्रतिदिन दूर करता है। सूर्य मेघों से जल निकालकर वर्षा कर सबको सुख पहुंचाता है। उसी प्रकार राज्य के अधिकारी अन्याय के अंधकार को दूर करें और लोगों को सुख की शीतलता प्रदान करें।

Just as the sun removes the darkness from half of the earth every day. The sun brings out the water from the clouds to provide happiness for everyone. Similarly, the officials of the state should dispel the darkness of injustice and provide the people with the coolness of happiness.
(Rig Veda 6-47-21)

'भारत में महिला पायलटों की संख्या दुनिया में किसी भी देश से ज्यादा'

नई दिल्ली। संसद में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत में महिला पायलट की संख्या कुल संख्या के करीब १५ प्रतिशत से अधिक हैं।

उन्होंने संसद में कहा कि दुनिया के अन्य सभी देशों में केवल पांच प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं। बता दें कि हाल ही में सिंधिया के विभाग पर विपक्ष ने सवाल उठाया था कि एयर इंडिया के निजीकरण के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय की क्या जरूरत है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने मंगलवार को संसद में कहा था कि भारत और बांग्लादेश के अलावा दुनिया के किसी भी देश में नागरिक उड्डयन के लिए अलग और स्वतंत्र मंत्रालय नहीं है। इस दौरान उन्होंने कहा था कि एयर इंडिया ने २०१४ से नागरिक उड्डयन मंत्रालय के बजट का ६० से ६५ प्रतिशत हिस्सा बनाया है।

संसद में उन्होंने मांग की थी कि ₹१२४० करोड़ रुपये के मामूली बजट वाले मंत्रालय को परिवहन के लिए समग्र मंत्रालय बनाने के लिए विलय किया जाए। इन सवालों का जवाब देते हुए सिंधिया ने संसद में कहा कि नागरिक उड्डयन भारत की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख तत्व बन गया है। पहले, केवल बड़े शहरों में हवाई अड्डे थे, आज यह पूरी तरह से बदल गया है। सिंधिया ने कहा कि पिछले २० से २५ वर्षों में विमानन उद्योग में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस श्उद्योग में उत्पन्न रोजगार की संख्या बड़े पैमाने पर है।

महिला डाक्टर पर मारपीट का आरोप

संवाददाता

देहरादून। महिला डाक्टर पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार काली मन्दिर एन्क्लेव निवासी धीरज वर्मा पुत्र सतीश वर्मा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मां की तबियत खराब होने पर वह उनको लेकर मैक्स चिकित्सालय गया था जहां पर डाक्टर प्रियंका उनियाल ने उनका ईलाज किया था। उसके बाद उनकी मां की तबियत खराब होने लगी तो उसने डाक्टर से एमआरआई करने को कहा तो वह टाल गयी जिसके बाद उसकी मां की दूसरी बार सर्जरी की गयी लेकिन उसकी मां को आराम नहीं आया। 23 जनवरी को जब वह अपनी मां के एक्से व रिपोर्ट लेने गया तो महिला डाक्टर के द्वारा उसके साथ मारपीट की गयी। जिसकी तहरीर उसने राजपुर थाने व एसएसपी के यहां भी दी लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बल्लियां होली में जलाने का विरोध करने पर मारपीट

संवाददाता

देहरादून। सैटरिंग की बल्लियां होली में जलाने का विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट कर घायल करने पर पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रेश्वर नगर निवासी विजय गिरी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी शैटरिंग की बल्लियां घर के बाहर रखी थी। मौहल्ले के ही निशांत पुत्र अमीचंद, रिंकू पुत्र अमीचंद रतन लाल, रतन लाल की पत्नी, प्रदीप वर्मा व बलराज ने उसकी बल्लियां होली में जला दी। अगले दिन जब उसको पता चला तो उसने उनका विरोध किया कि उन्होंने बल्लियां कैसे जला दी। जिसके बाद सभी लोग अपने अन्य कुछ लोगों को साथ लेकर उसके घर में घुस आये और उसके व उसके परिवार के साथ मारपीट कर घायल कर जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैण्ट कोतवाली पुलिस ने लीची बाग के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम नवीन कुमार पुत्र धर्मवीर निवासी गोविन्दगढ बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सैनिक प्रकोष्ठ ने जताई खुशी

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। श्रीनगर में भाजपा सैनिक प्रकोष्ठ के समस्त पदाधिकारी व सदस्यों ने डा. धन सिंह रावत के कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। सैनिक प्रकोष्ठ के सदस्यों ने कहा कि डा.रावत अपनी कार्यकुशलता के कारण बेहद लोकप्रिय हैं। इसी कारण उन्हें श्रीनगर विधानसभा वासियों ने पुनः निर्वाचित किया है। साथ ही सरकार में उन्हें वरिष्ठ मंत्री बनाया गया है। खुशी जाहिर करने वालों में सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नेगी, उपाध्यक्ष सत्या सिंह तडियाल, इंद्र सिंह पंवार, सुदर्शन सिंह, मेहरबान सिंह, महामंत्री दिनेश पटवाल, मीडिया प्रभारी अनिल नौटियाल आदि शामिल रहे।

कैबिनेट में पौड़ी से इस बार केवल दो ही मंत्री

पौड़ी (आरएनएस)। बुधवार को प्रदेश की पांचवी विधानसभा के चुने गए विधायकों ने मंत्रीपद की शपथ ले ली। इस बार की मंत्रीपद में पौड़ी जिले का कद घटा है। इससे पहले वर्ष २०१७ में जिले से ही प्रदेश के मुखिया तो तीन–तीन कैबिनेट मंत्री थे। हालांकि तब प्रदेश में बतौर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत पौड़ी जिले से चुनाव नहीं लड़े थे। लेकिन त्रिवेंद्र के सीएम बनने से पौड़ी जिले का मान जरूर बढ़ा था। पिछली सरकार में पौड़ी जिले से सतपाल महाराज, डा. हरक सिंह रावत और डा. धन सिंह रावत कैबिनेट मंत्री थे। यहां तक की तीनों मंत्रियों के पास महत्वपूर्ण महकमों की जिम्मेदारी भी थी। हालांकि कोटद्वार सीट से मंत्री रहे डा. हरक सिंह रावत को विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने ६ सालों के लिए निष्कासित करते हुए पार्टी के बाहर कर दिया था। इस बार उनकी जगह इसी सीट से पूर्व सीएम बीसी खंडूड़ी की पुत्री ऋतु खंडूड़ी के भी मंत्री बनने की चर्चा थी। लेकिन फिलहाल ऋतु को मंत्री मंडल में जगह नहीं मिल पायी। जबकि ऋतु ने लगातार दो बार विधानसभा चुनाव जीता है। वहीं जिले की लैंसडोन सीट से लगातार तीसरी बार विधायक बनने वाले दिलीप रावत मंहत को भी मंत्री बनाये जाने की भी मांग कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही थी। लेकिन मंहत को भी मंत्री मंडल में शामिल नहीं किया गया।

शहर में क्यों लगता है जाम ?

संवाददाता

देहरादून। शहर में जाम लगने के कारण नये–नये निर्माण कार्य तो होते है लेकिन भविष्य के बारे में कोई अनुमान नहीं लगाता कि आगे चलकर वाहन व जनसंख्या बढेगी और उसके लिए पार्किंग की व्यवस्था व सडक चौडी होनी चाहिए। इस बारे में चिन्तन करें तो नहीं लगेगा जाम?

शहर में आये दिन जाम लगने वाले जाम का रोना सभी रोते हैं तथा उसपर चिन्ता भी व्यक्त की जाती है लेकिन यह जाम क्यों लग रहा है इसके बारे में कोई नयी बात कोई नहीं करता। शासन प्रशासन के अधिकारी नये निर्माण कराने से पहले आगले पचास साल का अनुमान लगाकर चलें तो जाम से निजात मिल सकती है। शहर के बीचों बीच कनाट प्लेस व एस्लेहाल का आज से पचास–साठ साल पहले निर्माण हुआ होगा लेकिन उस समय के ठेकेदार, इंजीनियर व निर्माण कराने वालों ने आने वाले पचास साल का अनुमान लगाया होगा तभी निर्माणधीन भवन के सामने पार्किंग के लिए खुली जगह छोड दी थी। आज भी इन दोनों जगहों की वजह से शहर में जाम नहीं लगता जबकि यहां पर लोग अपने वाहन पार्क करते है। यह होती है सोच। जबकि उस जमाने में तो साईकिल ही अधिकांश चलती थी इक्का दुक्का स्कूटर व कारें लोगों के पास होती थी लेकिन उन्होंने आने वाले पचास सालों के बारे में सोचा कि जनसंख्या भी बढेगी और जनसंख्या के साथ वाहन भी बढेगे तो उन्होंने पार्किंग की खुली जगह छोडकर निर्माण कार्य करवाया। लेकिन वर्तमान में ऐसा कोई नहीं सोच रहा है। सडकों का चौडीकरण किया जा रहा है लेकिन पार्किंग पार्किंग कहां बनायी जाये इसपर कोई मंथन नहीं किया जा रहा है।

घंटाघर से राजपुर रोड पर सडक चौडी कर दी तो वहीं सडक के किनारे स्मार्ट पर्किंग बनाकर जाम को अपने आप ही अधिकारियों ने दावत दे दी। इसके साथ ही दून अस्पताल की नयी ओपीडी का निर्माण कराया गया लेकिन वहां पर भी पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं बनायी गयी और वाहन सडकों पर पार्क हो रहे हैं जिससे वहां से गुजरने वाले वाहनों को काफी परेशानी झेलनी पड रही है। इसके साथ ही वर्तमान में जीने वाले अधिकारी जो कि भविष्य के बारे में चिन्तन करना नहीं चाहते उनके द्वारा दून चिकित्सालय की नयी बिल्डिग का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन वहां पर भी पार्किंग की उचित व्यवस्था होती दिखायी नहीं दे रही है। जिस दिन वह निर्माण कार्य पूरा हुआ तथा वहां पर दून चिकित्सालय में काम शुरू हुआ तो वह कोढ में खाज का काम करेगा। एक तरफ दून चिकित्सालय, सामने डीआईजी कार्यालय, एसएसपी कार्यालय तो वहीं कचहरी परिसर सभी जगह के वाहनों का दबाव वहां पर बढेगा तो जाम से निजात पाना मुश्किल ही नही नामुकिन होगा। लेकिन कोई भी अधिकारी इस बारे में नहीं सोच रहा है जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पडेगा। यही सब कारण शहर में जाम के हैं। शासन प्रशासन के अधिकारियों को इस तरफ ध्यान देना होगा और किसी भी निर्माण कार्य कराने से पहले भविष्य के बारे में मंथन कर लें तो जनता को जाम से निजात मिल सकता है?

पेड़ों के कटान पर जताई आपत्ति

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। श्रीनगर क्षेत्र के सिविल सोयम भूमि पर गंगा दर्शन बैंड के समीप पीपलकोटी–श्रीनगर हाईटेंशन लाइन के अंतर्गत करीब १२०० पेड़ों के कटान पर सोल्जर्स ऑफ इनवायरमेंट श्रीनगर व गढ़वाल टैक ग्रुप मुक्तिबोध श्रीनगर ने आपत्ति जताई है। इस संदर्भ में डीएफओ पौड़ी को दिए ज्ञापन में सोल्जर्स ऑफ इनवायरमेंट के अध्यक्ष विरेंद्र सिंह व गढ़वाल टैक ग्रुप मुक्तिबोध के सचिव पंकज घिल्डियाल ने कहा है कि बड़ी संख्या में चीड़, शीशम, जामुन, आम आदि के बड़े व छोटे वृक्ष कटान में शामिल हैं।

कहा इन पेड़ों में से छोटे पेड़ों जिनको स्थानांतरित किया जा सकता है उन्हें अन्यत्र लगाया जाए। जिससे पर्यावरण की इतनी बड़ी क्षति होने से रोके जा सके। उन्हें उक्त सुझाव पर अमल करने की अपेक्षा जताई है।

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को बताया पानी का महत्व

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में विश्व जल दिवस पर मुख्यमंत्री नवाचार योजना में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विषय विशेषज्ञों, प्रध्यापकों के अलावा १५० छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी एवं वन क्षेत्राधिकारी यशवंत चौहान ने दीप प्रज्जवलित कर संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर वन क्षेत्राधिकारी यशवंत चौहान ने कहा कि हमें विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण करके प्राकृतिक जल स्त्रोतों को रिचार्ज करना चाहिए। उन्होंने छात्र–छात्राओं को इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए योगदान देने की अपील की। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी ने छात्रों को सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का आहवान किया। साथ ही प्रचार–प्रसार के माध्यम से जल संरक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम संयोजक एवं परियोजना के नोडल अधिकारी डॉ हरिओम शरण बहुगुणा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जल की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही धरातलीय जल की घटती मात्रा के प्रति भविष्य के लिए चिंतन करने का आग्रह किया। प्राध्यापिका डॉ तनुजा मौर्य ने प्राकृतिक जल के संरक्षण के लिए पारम्परिक एवं सांस्कृतिक मापदंडों को उपयोग में लाने की बात कही। डॉ प्रकाश फोन्दणी ने स्लाइड शो के माध्यम से बताया कि जल संरक्षण एवं वर्षा जल एकत्रण को बढ़ावा देकर सरल ग्रामीण तकनीकियों का उपयोग कर इसे स्वरोजगार से जोड़ा जा सकता है, जिसके लिए उन्होंने कई उदाहरण भी प्रस्तुत किए। नोडल अधिकारी डॉ नवीन खण्डूड़ी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान कहा गया कि जल संरक्षण के लिए महाविद्यालय में वर्षा के पानी का एकत्रण के लिए टैंक एवं चाल खाल बनाई जायेगी।

लुटते जंगल, ऊंघता महकमा और सोते अफसर

हमारे संवाददाता

देहरादून। बद इंतजामी और दरकती व्यवस्थाओं की नायाब मिसाल है उत्तराखंड का जंगलात महकमा, जहां माफिया कल्चर के रंग में रंगे अफसर सिर्फ कागजी घोड़े दौड़ा कर ड्यूटी की औपचारिकताएं निभा रहे हैं और मातहत माफिया की चमचागिरी में मशगूल है। ऐसे में वन संपत्तियों का दांव पर लगना लाजमी है। इतना होने पर भी वन मंत्रालय और शासन की खामोशी पूरे सरकारी तंत्र की कार्यशैली पर सवालिया निशान उठाता है।

तस्करों और माफिया के हाथों लुटते सुबाई जंगल वन महकमें की निगहबानी की खोट की तस्दीक करता है। इसी अव्यवस्था का नतीजा रहा कि अंर्तराज्यीय वन्यजीव तस्कर संसार चंद का नेटवर्क लंबे समय तक सूबे के जंगलों में वन्यजीवों के अंगों की तस्करी करता रहा और उसकी मौत के बाद आज भी वन्य जीव तस्कर राज्य के जंगलों में चांदी काट रहे हैं। यही नहीं अब तो राज्य के जंगलों में शराब माफिया भी अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटा है।

इसकी ताजा मिसाल बीते दिनों हरिद्वार जिले में सामने आई है जहां आबकारी विभाग द्वारा जंगल में छापेमारी कर कई सौ लीटर लहन व भारी मात्रा में कच्ची शराब बरामद की गई थी। यहां यह सवाल उठना लाजमी है कि शराब माफिया ने तो जंगलों में अपना पूरा प्लांट ही लगा दिया लेकिन राज्य के वन महकमे को इसकी भनक तक न लग सकी। हाल ही में कुमाऊं रेंज में पुलिस विभाग द्वारा चीड़ की लकड़ी तस्करी करते हुए कुछ लोगों को पकड़ा गया था जिन्हें वन महकमें को सौंप दिया गया था। ऐसे एक नहीं कई मामले अक्सर सामने आते रहे है। अगर इन मामलों को विश्लेषण की नजर से देखा जाए तो इनमें वन महकमे की कार्यशैली कटघरे में खड़ी नजर आती है अगर सरकार ने महकमे के विभीषणों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई नहीं की तो वह दिन दूर नहीं जब सूबे के जंगलों में माफिया की सल्तनत कायम हो जाएगी और वन संपत्तियां जहां दांव पर होंगी वही वन्यजीवों का जीवन भी खतरे में पड़ जाएगा।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड का विकास
मेरा संकल्प, आपका विश्वास

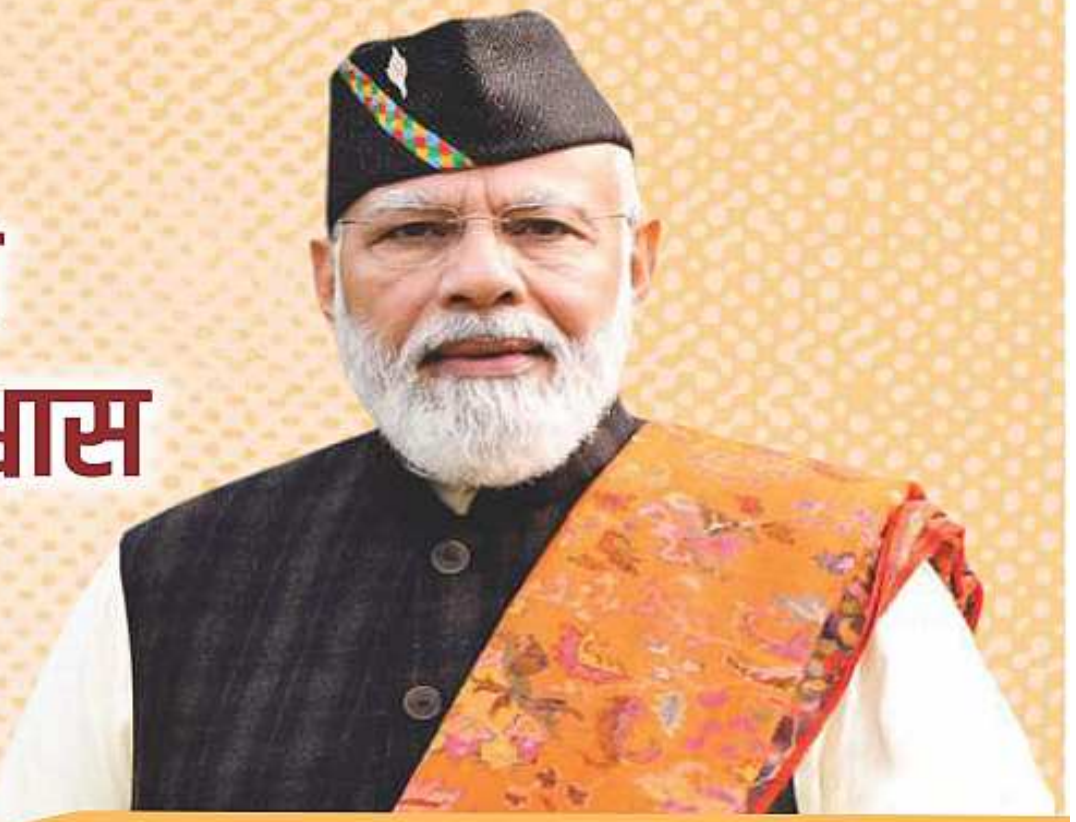

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

एक ही लक्ष्य - एक ही सपना
सर्वश्रेष्ठ बने
उत्तराखण्ड
अपना

प्रिय उत्तराखण्ड वासियों,

देवभूमि उत्तराखण्ड में एक बार पुन: ऐतिहासिक विजय दिलाने के लिए मैं आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मुझ जैसे एक सामान्य परिवार से आने वाले सैनिक पुत्र पर आपने जो विश्वास व्यक्त किया है वो अप्रतिम है। आपके विश्वास

मुझ जैसे एक सामान्य परिवार से आने वाले सैनिक पुत्र पर आपने जो विश्वास व्यक्त किया है वो अप्रतिम है। आपके विश्वास ने मुझमें एक नई ऊर्जा का संचार किया है। मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि मैं इस ऊर्जा का उपयोग राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए करने का हरसंभव प्रयास करूंगा। मेरा एक एक क्षण, प्रदेश के जन गण मन के लिए समर्पित रहेगा।

राज्य की प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए मैंने 'विकल्प रहित संकल्प' के मंत्र को अपनाया है। इस संकल्प सूची में राज्य को देश में सर्वश्रेष्ठ बनाना, जनता की आशाओं-आकांक्षाओं को पूर्ण करना, सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास की अवधारणा को धरातल पर मूर्तरूप देना, सरलीकरण- समाधान- निस्तारीकरण की नीति को अपनाकर जन संतुष्टि सुनिश्चित करना और अंत्योदय को ध्येय मानकर कार्य करना है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के सहयोग से और प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम इन संकल्पों को पूर्ण करने में अवश्य सफल होंगे।

कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं
अगर ठान लिया जाए,
समय नहीं है अब रुकने का
आओ, मिलकर बढ़ा जाए

मैं, आप सभी का आह्वान करता हूं कि आइए उत्तराखण्ड की इस विकास यात्रा में सहभागी बनें और प्रदेश को प्रगति के मार्ग पर आगे लेकर जाएं।

भारत माता की जय
जय हिंद - जय उत्तराखण्ड

विकल्प रहित संकल्प

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

महिला हेल्पलाइन नं. 1090, किसान कॉल सेंटर नं. 1551, सी.एम. हेल्पलाइन नं. 1905, चाइल्ड हेल्पलाइन नं. 1098, आयुष्मान उत्तराखण्ड हेल्पलाइन नं. 104, आपदा कॉल सेंटर नं. 1070

चुनावी मुद्दा नहीं बनता नदियों का जीना-मरना

कृष्ण प्रताप सिंह

पहले चुनाव आते थे तो आम लोगों के रोटी, कपड़ा और मकान कहें या उनके जीवन निर्वाह से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चाएं हुआ करती थीं। पार्टियां व प्रत्याशी मतदाताओं को इन मुद्दों से जुड़ा अपना नजरिया व नीतियां समझाते नहीं थकते थे। साथ ही अपीलें करते थे कि मतदाता बूथों पर जायें तो किसी के बहकावे में न आयें और इन मुद्दों के आधार पर ही वोट दें।

लेकिन अब चुनाव आते हैं, तो जान-बूझकर ऐसे मुद्दों को हाशिये में डालकर कुछ बहकाने वाले मुद्दों को आगे ला दिया जाता है और सारी बहसें उन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित कर दी जाती हैं। ताकि मतदाताओं की जातियां व धर्म आगे आ जायें और उनके कौआ रोर में किये जाने वाले इमोशनल अत्याचार से वे इतने त्रस्त हो जायें कि 'अपनी जाति' व 'अपने धर्म' से आगे सोच ही न सकें। फिर उन्हीं के आधार पर सरकार चुन लें और फुरसत से पश्चाताप करते रहें।

इन विधानसभा चुनावों में इसकी सबसे बड़ी नजीर यह है कि पंजाब में पीने के पानी के जहरीले हो जाने की जटिल होती जा रही समस्या वहां मतदान के दिन तक मुद्दा नहीं बन पाई। यह तब था, जब कभी पांच नदियों के पानी के लिए जाने जाने वाले इस प्रदेश में जहरीला पानी पीने की मजबूरी के शिकार अनेक नागरिक कैंसर से पीड़ित होकर त्रासद मौतों के शिकार हो रहे हैं। जब यह समस्या मुद्दा ही नहीं बन पाई तो इसी पर चर्चा क्यों होती। दरअसल, बीती शताब्दी के सातवें दशक में हरित क्रांति लाने की कोशिशों के दौरान अत्यधिक अनाज उगाने के लिए अपनाई गई कृषि पद्धति रासायनिक उर्वरकों पर कुछ ज्यादा ही निर्भर है। और अब वह अपना विकल्प तलाशे जाने की मांग करती है।

इसी तरह मानव जीवन की रेखा कही जाने वाली नदियों से उनका ही जीवन छीन लेने पर आमादा प्रदूषण न सत्तापक्ष के लिए चुनाव का कोई मुद्दा है, न ही विपक्षी दलों के लिए। भले ही नदियां न केवल लोगों की प्यास बुझाती आई हों, बल्कि उनकी आजीविका का माध्यम भी हों। साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र और भूजल के स्तर को बनाए रखने में भी बड़ा योगदान देती हों।

एक जानकार के शब्द उधार लें तो आज जो नदियां मैल व गन्दगी ढोने को अभिशापित हैं, वे धरती पर अपने अवतरण के वक्त से ही जीवन बांटती आई हैं। खास तौर पर मनुष्य का जीवन-मरण किस तरह नदियों पर निर्भर है, इसे यों समझ सकते हैं कि मनुष्य के मरणोपरांत उसके शारीरिक अवशेष भी नदियों में बहाए जाते हैं।

ऐसे में कायदे से होना तो यह चाहिए था कि लगातार बढ़ते जा रहे प्रदूषण के कारण अस्तित्व के खतरे झेल रही नदियों और उनके बहाने मानव जीवन को पैदा हो रहे अंदेशों पर भरपूर चर्चा होती। इस कारण और कि इंग्लैंड की यॉर्क यूनिवर्सिटी द्वारा दुनिया भर की नदियों में दवाओं के अंशों का पता लगाने के लिए हाल में ही किये गये शोध से खुलासा हुआ है कि अब नदियों के जल के लिए पैरासिटामोल, निकोटिन व कैफीन के अलावा मिर्गी और मधुमेह आदि की वे दवाएं भी खतरा बनती जा रही हैं, जिनके अंश लापरवाही से नदियों के हवाले कर दिये जा रहे हैं। किसी एक देश में नहीं, प्राय: दुनिया भर में। अमेरिका की प्रोसिडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा प्रकाशित की गई इस शोध की रिपोर्ट में इस स्थिति को पर्यावरण के साथ ही मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक बताया गया है।

यॉर्क यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अपने इस शोध के लिए 104 देशों में नदियों की शहरों व कस्बों के नजदीक बहने वाली 1,052 साइटों से उनके पानी के नमूने एकत्रित किये और उनमें सक्रिय 61 दवाओं के अंशों (एपीआई) का परीक्षण किया, तो पाया कि दवा निर्माण संयंत्रों से निकले दूषित जल, बिना उपचार के सीवेज के पानी, शुष्क जलवायु और कचरा निपटान के तरीके का नदियों के पानी को प्रदूषित करने में योगदान लगातार बढ़ रहा है। हां, जिन देशों में आधुनिक दवाओं का इस्तेमाल कम होता है या उनके अंशों के अत्याधुनिक दूषित जल उपचार का ढांचा और नदियों में पर्याप्त बहाव है, वहां वे दवा प्रदूषण से अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं। दवाओं से नदी जल प्रदूषण की समस्या इसलिए भी जटिल हो रही है क्योंकि ज्यादातर देशों में दवा उद्योग से निकले प्रदूषित जल के निपटान के कानून बने तो हैं लेकिन उन पर अमल नहीं हो रहा।

लेकिन अपने देश के सिलसिले में इसकी बात करें तो हम पाते हैं कि अभी इसे लेकर न सरकारें ठीक से सजग हैं और न ही लोग इतने जागरूक कि इसे लेकर सरकारों पर दबाव बना सकें। जहां तक राजनीतिक दलों की बात है, जब वे चुनावों के वक्त भी ऐसी समस्याओं को चर्चा के केन्द्र में नहीं लाना चाहते तो उनकी वास्तविक मंशा समझने के लिए और कौन से तथ्यों की जरूरत है?

बिना जन दबाव के इन दलों को क्या फर्क पड़ता है अगर कल-कारखानों की निकासी, घरों की गंदगी, खेतों में मिलाये जा रहे रसायन, उर्वरक और भूमि कटाव के साथ दवाओं में प्रयुक्त हो रहे रसायन भी नदी जल को दूषित करने वाले कारकों में शामिल हो जायें। इसे लेकर वोट की चोट के बगैर वे क्योंकर समझने लगे कि नदियां महज जल-मार्ग नहीं हैं, वे बरसात की बूंदों को सहजेती हैं और धरती की नमी बनाये रखती है। जलवायु में हो रहे बदलाव में नदियां ही धरती पर जीवन का आधार हैं और उनमें बहता पानी मनुष्य की सांस की सीमा भी तय करता है।

सिविल सोसायटी ने अभी भी इसके लिए सत्तातंत्र पर दबाव नहीं बनाया और सब कुछ राजनीतिक दलों व सरकारों की इच्छा और मंशा पर ही छोड़े रखा, तो कौन कह सकता है कि हालात वैसे ही नहीं होंगे, जैसे गंगा की सफाई के मामले में हुए हैं?

सोनल चौहान पर फिर चढ़ा बोल्डनेस का खुमार

फिल्म जन्नत से एक्टिंग में डेब्यू करने वाली सोनल चौहान को आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है. उन्होंने इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ बोल्ड सीन देकर तहलका मचा दिया था। बेशक सोनल लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन इसके बावजूद वह सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं.

सोनल अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं।

सोनल ने अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपनी खूबसूरती और दिलकश अदाओं से लोगों को अपना दीवाना बनाया है. आज दुनिया में उनके लाखों चाहने वाले हैं, जो उनके हर लुक को देखने के लिए बेताब रहते हैं. सोनल अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। उनका यह फोटोशूट फैंस के बीच काफी छाया रहता है. एक बार फिर सोनम का ग्लैमरस अवतार देखने को मिला है. सोनल ने कुछ समय पहले अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक ऐसी तस्वीर शेयर की है जिसे देखने के बाद लोगों के पसीने छूट गए हैं. इस फोटो में सोनल को नाव पर बैठे देखा जा सकता है। इस दौरान उन्होंने नियॉन कलर का ब्रालेट कैरी किया है। इसी के साथ सोनल ने ऊपर से सफेद रंग की शर्ट पहनी हुई है. हालांकि, बोल्डनेस दिखाने के लिए सोनल ने इस शर्ट को कंधे से थोड़ा हटकर शिफ्ट किया है। फैंस उनकी हॉटनेस को देखकर बेकाबू हो गए हैं. सोनल ने अपने लुक को पूरा करने के लिए लाइट मेकअप किया है। यहां उसने अपने ताले खुले रखे हैं।

फिल्म सना से बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी पूजा भट्ट

हाल में अभिनेत्री राधिका मदान ने अपनी फिल्म सना की घोषणा की है। यह एक महिला प्रधान फिल्म है, जिसमें राधिका मुख्य भूमिका में दिखेंगी। इस फिल्म को फिल्ममेकर सुधांशु सरिया निर्देशित कर रहे हैं। अब फिल्म के साथ अभिनेत्री पूजा भट्ट का नाम भी जुड़ गया है। कहा जा रहा है कि वह सना के जरिए बड़े पर्दे पर अपनी वापसी करने वाली हैं। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेत्री पूजा राधिका की फिल्म सना से बॉलीवुड के बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी। खबरों की मानें तो उन्होंने यह फिल्म साइन कर ली है। इस फिल्म में पूजा राधिका की मां की भूमिका निभाएंगी। एक सूत्र ने कहा, राधिका की फिल्म सना में पूजा का बेहद दमदार रोल है। जहां राधिका लीड रोल निभाएंगी, वहीं पूजा ने उनकी मां की भूमिका निभाई है।

सूत्र की मानें तो फिल्म में पूजा एक मजबूत और स्वतंत्र मां के रूप में नजर आएंगी, जो अपनी बेटी को शादी से पहले गर्भावस्था से निपटना सिखाती हैं। कहा जा रहा है कि इस रोल के लिए मेकर्स पूजा के अलावा किसी के बारे में विचार भी नहीं कर सकते थे। फिल्म में फुल ड्रामा और मस्ती का डोज शामिल होगा। डायरेक्टर सुधांशु ने कहा था कि फिल्म में भौगोलिक क्षेत्र और कई संस्कृतियां देखने को मिलेंगी।

फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम जोरो पर है। इसकी शूटिंग अगले सप्ताह से मुंबई में शुरू होगी। स्क्रिप्ट की मांग के हिसाब से लाइव लोकेशंस पर फिल्म को शूट किया जाएगा। फोर लाइन एंटरटेनमेंट फिल्म का निर्माण करेगी। सुधांशु अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज मासूम का लेखन और सह-निर्देशन भी कर रहे हैं। उनके कंधे पर नेटफ्लिक्स की सीरीज दिल्ली क्राइम 3 के लेखन और सह-निर्माण का भी जिम्मा है। पूजा पिछले साल वेब सीरीज बॉम्बे बेगम्स में नजर आई थीं। इसमें राहुल बोस के साथ उनके किसिंग सीन ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया था। इससे पहले वह 2020 में आई फिल्म सड़क 2 में दिखी थीं। (आरएनएस)

ब्रह्मास्त्र से आलिया भट्ट के किरदार का फर्स्ट लुक रिलीज

आलिया भट्ट के जन्मदिन के मौके पर आने वाली फिल्म ब्रह्मास्त्र के निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेत्री का फर्स्ट लुक पेश किया है। 2012 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से आलिया को लॉन्च करने वाले फिल्म निर्माता करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर आलिया के चरित्र की एक तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने एक लंबी पोस्ट भी लिखी। उन्होंने लिखा, मेरी प्यारी आलिया, मैं इसे लिखते समय आपके लिए महसूस प्यार महसूस कर रहा हूं, साथ ही सम्मान भी। आपकी अपार प्रतिभा के लिए, एक कलाकार के रूप में आपकी अविश्वसनीय वृद्धि और सभी के माध्यम से इतना वास्तविक होने की आपकी क्षमता का मैं सम्मान करता हूं। मैं आपसे हमेशा प्यार करता रहूंगा। 10 साल पहले मुझे नहीं पता था कि एक दिन मैं आपको गर्व से प्यार और प्रचुर आनंद का अपना ब्रह्मस्त्रामी हथियार कह सकता हूं, जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्रिय, हमेशा तुम्हारा भविष्य उज्जवल रहें। दिसंबर 2021 में रणबीर कपूर के किरदार शिवा के लुक को जारी करने के बाद, निर्देशक अयान मुखर्जी और ब्रह्मास्त्र की टीम ने आज ईशा के आधिकारिक पोस्टर और बिल्कुल नए रोमांचक फुटेज के साथ प्रशंसकों और दर्शकों को हैरान कर दिया। फॉक्स स्टार स्टूडियोज, धर्मा प्रोडक्शंस, प्राइम फोकस और स्टारलाइट पिक्च र्स द्वारा निर्मित अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित, मैग्नम ऑपस 9 सितंबर को 5 भारतीय भाषाओं - हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। (आरएनएस)

सीरीज में तब्दील होगी अमीश त्रिपाठी की शिव त्रयी, द इम्मोर्टल्स ऑफ मेलुहा का निर्देशन करेंगे शेखर कपूर

लेखक अमीश त्रिपाठी की शिवा त्रयी पुस्तक श्रृंखला को एक वेब श्रृंखला में रूपांतरित किया जा रहा है। फिल्म निर्माता शेखर कपूर को अमीश त्रिपाठी की शिव त्रयी की पहली पुस्तक द इम्मोर्टल्स ऑफ मेलुहा का निर्देशन करने के लिए अनुबंधित किया गया है। फिल्म निर्माता शेखर कपूर, जिन्हें बैंडिट चीन और मिस्टर इंडिया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है, को अमीश त्रिपाठी द्वारा लिखित शिव त्रयी की पहली द इम्मोर्टल्स ऑफ मेलुहा पर आधारित एक श्रृंखला का निर्देशन करने के लिए चुना गया है। शिव त्रयी को इंटरनेशनल आर्ट मशीन द्वारा एक श्रृंखला में रूपांतरित किया जा रहा है। शेखर कपूर के अलावा, सुपर्ण एस वर्मा सीरीज के शोरनर और निर्देशक होंगे। सुपर्ण एस वर्मा को दर्शक उनकी अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज फैमिली मैन से जानते हैं।

श्रृंखला के संचालन के बारे में बोलते हुए, कपूर ने कहा, अमीश त्रिपाठी की शिवा त्रयी भारत की महान प्रकाशन सनसनी रही है, जिसने हर उम्र और वर्ग को पार किया है। यह सिर्फ पौराणिक कथा नहीं है, यह अपने सबसे अच्छे रूप में आधुनिक कहानी है, जो खुद को एक सुंदर अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए सिद्ध करती है।

त्रयी की लोकप्रियता के बारे में बात करते हुए, सुपर्ण वर्मा ने कहा, यह शैली को परिभाषित करने वाली किताबों की एक श्रृंखला है। मुझे अपने दो पसंदीदा देवताओं को शामिल करते हुए फिर से कल्पना करना और विश्व-निर्माण करना पसंद था!

अमीश त्रिपाठी की द इम्मोर्टल्स ऑफ मेलुहा 1900 ईसा पूर्व मेलुहा की भूमि में स्थापित है। यह शिव नाम के एक कठोर लेकिन नेक इरादे वाले तिब्बती अप्रवासी की कहानी बताता है, जिसे मेलुहंस अपना प्रसिद्ध उद्धारकर्ता नीलकंठ मानते हैं। शिव चंद्रवंशियों के खिलाफ उनके युद्ध में उनकी मदद करते हैं। इस पुस्तक के बाद द सीक्रेट ऑफ द नागा (2011) और द ओथ ऑफ द वायुपुत्र (2013) थे। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि करण जौहर भी द इम्मोर्टल्स ऑफ मेलुहा बनाने के इच्छुक थे? इस फिल्म में वे ऋतिक रोशन और प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करना चाहते थे।

ठीक एक दशक पहले, 2012 में, करण जौहर द्वारा सेल्युलाइड पर द इम्मोर्टल्स ऑफ मेलुहा को फिल्माने के समाचार आ रहे थे। यह बताया गया कि करण जौहर ने उपन्यास द इम्मोर्टल्स ऑफ मेलुहा के लिए फिल्म के अधिकार हासिल कर लिए थे। इसके तुरंत बाद, अनुमान लगाने का खेल शुरू हुआ कि नायक के रूप में किसे कास्ट किया जाएगा। उस समय, करण जौहर आश्वस्त थे कि वह ऋतिक रोशन को भगवान शिव के रूप में मुख्य भूमिका में लेंगे। इसके साथ ही, वह विद्या बालन को फीमेल लीड के तौर पर कास्ट करने का विचार कर रहे थे। यह द डर्टी पिक्चर की सुपर सफलता के बाद था, और उन्हें लगा कि विद्या देवी की भूमिका के अनुरूप होगी। (आरएनएस)

कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

देहरादून। कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने आज राजभवन पहुंचकर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने प्रेमचंद अग्रवाल को कैबिनेट मंत्री बनने पर अपनी बधाई व शुभकामनाएं दी।

बुधवार को उत्तराखंड राज्य की पांचवी विधानसभा के मंत्रिमंडल में बतौर कैबिनेट मंत्री शपथ लेने के पश्चात आज प्रेमचंद अग्रवाल राज्यपाल से मिले एवं पुष्प गुच्छ भेंट किया। इस दौरान राज्यपाल एवं कैबिनेट मंत्री के बीच उत्तराखंड राज्य के परिदृश्य में विभिन्न विषयों पर चर्चा वार्ता हुई।

सिपाही से मारपीट पर एसएसपी की सख्त कार्यवाही, गिरफ्तारी के निर्देश

हमारे संवाददाता

रूद्रपुर। सिपाही से मारपीट करना कुछ युवकों पर भारी पड़ गया। हालांकि नामजद रिपोर्ट होने के बाद पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया था लेकिन छह युवक फरार है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए सिपाही से मारपीट के वीडियों पर संज्ञान लेते हुए एसएसपी द्वारा उन फरार चल रहे युवको पर भी सख्त कार्यवाही कर उनकी गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये है।

बता दें कि रूद्रपुर में इन दिनों एक पुलिसकर्मी के साथ कुछ युवकों द्वारा मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें रम्पुरा चौकी में तैनात पुलिसकर्मी विजेन्द्र शर्मा घायल हुआ है। मामले में आठ युवकों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। जिनमें से दो की गिरफ्तारी हो चुकी है, और छह फरार है। उक्त वीडियों जैसे ही एसएसपी के संज्ञान में आया तो उन्होने फरार चल रहे सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के सख्त निर्देश दिये है।

हैड कांस्टेबल की मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने पुलिस के हैड कांस्टेबल की मोटरसाईकिल उसके घर के बाहर से चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस में हैड कांस्टेबल यूटी हरीश चन्द्र जिसकी वर्तमान तैनाती पीटीसी हरिद्वार में हैं। हरीश ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल अपने घर के बाहर एकता विहार में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

श्री गुरु राम राय दरबार की नगर परिक्रमा का...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

टैगोर विला, घंटाघर चौक पहुंची इस दौरान रास्ते में कई स्थानों पर नगर परिक्रमा का फूलों की वर्षा के साथ स्वागत हुआ। नगर परिक्रमा घंटाघर से पलटन बाजार पहुंची। यहां से नगर परिक्रमा रीठा मण्डी होते हुए श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल के बाद ब्रहमलीन श्रीमहंत साहिबान के समाधि स्थल पर पहुंची जहां पर संगतों ने श्रीमहंत साहिबान की समाधि पर माथा टेका जिसके बाद नगर परिक्रमा का दरबार साहिब में समापन हुआ।

गैस सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में किया प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। गैस सिलेंडर, पेट्रोल व डीजल की बढती कीमतों के विरोध में सुराज सेवादल ने गांधी पार्क में प्रदर्शन किया।

आज यहां सुराज सेवादल के रायपुर विधानसभा के विधानसभा अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्रीमती मोहिनी चौधरी की अगुवाई में सुराज सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। श्रीमती मोहिनी ने बताया कि आज गैस सिलेंडर 970 का हो चुका है जबकि पेट्रोल के दाम 100 पहुंचने वाले हैं वैसे ही कच्चे तेलों के दाम अपार बढ़ गए हैं और रोजगार के लिए सरकार के पास कोई विकल्प नहीं है। जिससे महंगाई दिन पर दिन बढ़ती जा रही है प्राइवेट कंपनियों में वेतन 8000 से 10000 के ऊपर नहीं बढ़ रही। एक प्राइवेट नौकरी करने वाला आदमी 1000 का गैस सिलेंडर 3000 का अपनी बाइक में पेट्रोल डालेगा 4000 का

कमरा किराया देगा। आगे सब्जियां बच्चों की फीस दवा और शादी ब्याह में होने वाले खर्च को कैसे निर्वहन करेगा! जो राशन सरकार द्वारा मिल रहा है क्या उससे पेट भर जाएगा। आयुष्मांन कार्ड मात्र एक जुमला बनकर रह गया है! वहीं जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा सुंदर रावत ने बताया कि भाजपा सरकार महंगाई के विरोध में चिल्ला चिल्ला कर संसद भवन के बाहर धरना देते थे आज क्यों यह गूंगे बहरे हो गए हैं। भ्रष्टाचार चरम पर बढ़ता जा रहा है जिससे भाजपा सरकार रोके अन्यथा जनता आंदोलन के लिए मजबूर हो जाएगी। इस अवसर पर मोहिनी रेनू, अंजू सुंदर, उज्जवल, संजय, शीलू, उर्मिला, सुरेंद्र, अरुण, अंकिता, रिंकी, शबाना, उमेश, योगेश, बबिता, राधे, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विहिप व बजरंग दल ने किया नगर परिक्रमा का स्वागत

संवाददाता

देहरादून। श्री गुरू राम राय दरबार से चली नगर परिक्रमा का विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। आज यहां विश्व हिंदू परिषद उत्तराखंड प्रांत के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पलटन बाजार में श्री गुरु राम राय दरबार द्वारा निकाली गई नगर परिक्रमा में श्रद्धालुओं पर सवा कुंटल पुष्पों की वर्षा के साथ जल भी वितरण किया गया। गद्दीनशीन श्री महंत देवेंद्र दास जी का सम्मान कर ज्योत प्रज्वलित कराई जिसमें विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों में प्रांत अध्यक्ष रवि देव आनंद, विहिप प्रांत सह

मंत्री रणदीप भाई पोखरिया, विहिप प्रांत संगठन मंत्री अजय कुमार बजरंग दल प्रांत सह साप्ताहिक मिलन प्रमुख विकास वर्मा , अमित कुमार,व्यवस्था प्रमुख राजेश सिंह, अध्यक्ष संदीप वाधवा, मनोज जुनेजा,आशीष बलूनी, प्रभात वर्मा हरीश कोहली, विशाल चौधरी, मनोज बिष्ट, रोशन राणा,दीपक जेट्टी आदि मौजूद थे।

संकल्प लें सार्वजनिक स्थानों पर न थूकेंगे न थूकने देंगेः मेयर

संवाददाता

देहरादून। विश्व क्षय रोग दिवस पर चूको मत थूको मत अभियान के तहत सारे जहां से अच्छा का वाहन जागरूकता अभियान चलाने के लिए रवाना किया।

आज यहां विश्व क्षय रोग दिवस पर 'चूको मत थूको मत' अभियान के माध्यम से संपूर्ण देश में जागरूकता का प्रसार करने वाले 'सारे जहां से अच्छा' के संस्थापक प्रीति राजा एवं राजा नरसिंहमन के वाहन को मेयर सुनील उनियाल गामा ने ध्वज दिखाकर नगर निगम से देहरादून में जागरूकता अभियान की शुरुआत की। जगह-जगह थूकने से क्षय रोग, इनफ्लुएंजा, कोरोनावायरस व निमोनिया फैलने का खतरा बना रहता है। इसी जागरूकता भरे संदेश को 'सारे जहां से अच्छा' की टीम संपूर्ण देश में भ्रमण कर देश के प्रत्येक कोने तक पहुंचा रही है। इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा ने कहा कि आज

विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर मेरा देहरादून की सम्मानित जनता से निवेदन है कि इस संदेश को हर तरफ पहुंचाएं। सार्वजनिक स्थानों पर हमें थूकना नहीं चाहिए एवं थूकने वालों को भी मना करना चाहिए। इसी के अगले क्रम में मेयर सुनील उनियाल गामा ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 गतिमान है। उन्होंने संपूर्ण नगर वासियों का आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छता के प्रसार को हम सभी को अपने अपने माध्यम से सुनिश्चित करना चाहिए। नगर निगम संपूर्ण प्रतिबद्धता से रात दिन कार्य कर नगर को स्वच्छ बनाने हेतु निरंतर कार्यशील है जिसमें समस्त नगरवासियों का सहयोग भी नितांत आवश्यक है। गीले एवं सूखे कूड़े को प्रायमरी सोर्स पर ही अलग कर हम स्वच्छता में बड़ा सहयोग दे सकते हैं। आइए, हम सब मिलकर अपने शहर देहरादून को भारत के टॉप 50 स्वच्छ नगरों में स्थान देने हेतु संकल्प लें। इस अवसर पर मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना , पार्षद देवेंद्र पाल मोंटी ,श्रीमती स्वाति डोभाल, दिनेश सती, सत्येंद्र नाथ इत्यादि उपस्थित रहे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

चुनाव खत्म हो गया है, महंगाई वापस आ गई हैः संजय राउत

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना सांसद संजय राउत अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में बने रहते हैं। संजय राउत ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोल दिया है। उन्होंने भाजपा पर तंज करते हुए कहा कि अब चुनाव खत्म हो गए हैं। अब ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं और महंगाई वापस आ गई है। उन्होंने कहा कि यह सब भाजपा का खेल है। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि देश का असली मुद्दा रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, फिल्म द कश्मीर फाइल्स या हिजाब नहीं है। आम आदमी का असल

मुद्दा महंगाई और बेरोजगारी है। वहीं बुधवार को भी शिवसेना सांसद संजय राउत ने ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग की कार्रवाइयों को लेकर बीजेपी पर जोरदार हमला किया था। उन्होंने कहा था कि रशिया–यूक्रेन का युद्ध शुरू है। इसमें खूब मिसाइलें छोड़ी जा रही हैं। गोले और बारुद बरसाए जा रहे हैं। इस पर संजय राउत ने सीधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ताने मारते हुए कहा कि हमारे जैसे लोग भी रोज युद्ध का तजुर्बा कर रहे हैं। एक पुतीन दिल्ली में बैठे हैं। वे हम पर रोज मिसाइलें छोड़ रहे हैं। ईडी के माध्यम से ये मिसाइलें बरसाई जा रही हैं। फिर भी हम नहीं डगमगा रहे।

कोविड पीड़ितों, इंडस्ट्री और गरीबों का पीएम को ख्याल नहीं: राहुल गांधी

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर बड़ा निशाना साधा है। उन्होंने कई मोर्चों पर एकसाथ मोदी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरने की कोशिश की है। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कोविड पीड़ितों के इलाज सहित उद्योगों की बदहाली के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में सवाल–जवाब की शैली में लिखा है कि कोविड पीड़ितों का इलाज मुफ़्त में करवाया?– नहीं, ग़रीबों और श्रमिकों को न्यूनतम आय मिली?– नहीं, छोटे उद्योगों को डूबने से बचाया?– नहीं.

.. प्रधानमंत्री को कोई ख्याल नहीं है। इस ट्वीट के साथ राहुल गांधी ने एक डिजिटल मीडिया की खबरों की हेडलाइंस को शेयर किया है और उसके आधार पर पीएम मोदी और उनकी सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। बता दें कि २२ मार्च को देश में पेट्रोल–डीजल और एलपीजी गैस के दाम बढ़ने के बाद भी राहुल गांधी ने ट्वीट कर मोदी सरकार पर निशाना साधा था।

बीरभूम हिंसा में मारे गए लोगों के परिवार से मिलीं ममता बनर्जी

कोलकाता। बीरभूम जिले के रामपुरहाट में हुई हिंसा में ८ लोगों को जिंदा जलाने की चर्चा देशभर में हो रही है। इस बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी गुरुवार दोपहर हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार वालों से जाकर मिलीं। उन्होंने सभी से बात की और उनका दर्द जाना। ममता बनर्जी से बात करते–करते कई परिवार रोने लगे। ममता ने उन्हें आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिलाकर शांत करने की कोशिश की। बता दें कि इससे पहले ममता बनर्जी ने इस घटना के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि यह बंगाल है, उत्तर प्रदेश नहीं, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस के नेता और बरशल ग्राम पंचायत के उप प्रमुख भादु शेख का सोमवार को मर्डर कर दिया गया था। उन पर बम से हमला किया गया था। भादु की मौत की खबर जैसे ही टीएमसी के कार्यकर्ताओं तक पहुंची, वे उग्र हो गए। इसके बाद उनके सपोर्टर्स ने हमला करने वाले संदिग्धों के घरों में आग लगा दी। ८ लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा, मैं पश्चिम बंगाल के बीरभूम में हुई हिंसक वारदात पर दुख व्यक्त करता हूं। अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं आशा करता हूं कि राज्य सरकार, बंगाल की महान धरती पर ऐसा जघन्य पाप करने वालों को जरूर सजा दिलवाएगी।

मंत्री न बनाए जाने से आहत हैं भाजपा के कई विधायक

दर्दः जिसे न कहा जा सके, न सहा जा सके

विशेष संवाददाता

देहरादून। अगर सपना हो सीएम बनने का और मंत्री भी न बनाया जाए। या फिर उम्मीद हो यह कि पिछली बार मंत्री नहीं बनाया कोई बात नहीं इस बार तो मंत्री बनाया ही जा सकता है और इस बार भी किनारे कर दिया अथवा पहले मंत्री थे तो अब क्यों नहीं मंत्री बनाया जाएगा लेकिन पत्ता साफ कर दिया जाए तो झटका तो लगेगा ही और मलाल होना भी स्वाभाविक है।

नई सरकार के गठन के बाद भाजपा के कई बड़े–बड़े चेहरों की रंगत उड़ गई है क्योंकि उन्हें मंत्री न बनाए जाने से बड़ी निराशा हुई है। इस निराशा में उन्हें परेशानी इस बेबसी ने और भी अधिक बढ़ा दी है कि वह कुछ कह भी नहीं सकते। अपने रुसवा होने का दर्द वह कह भी नहीं पा रहे हैं और इस दर्द को सह भी नहीं पा रहे हैं। उनके अपने और नजदीकी लोग उन्हें समझा रहे हैं कि अभी भी उम्मीद बरकरार है इसलिए हताश न हो तीन मंत्री पद ही खाली नहीं

❑मलाल तो है पर करें तो क्या करें

है पार्टी के पिटारे में बहुत कुछ विशेष है हो सकता है कि उन्हें कोई बहुत बड़ी जिम्मेदारी दे दी जाए। लेकिन यह कहकर कि अब जो होना था हो चुका पछताने से कुछ हासिल होने वाला नहीं उनके जले पर नमक भी छिड़कने का काम किया जा रहा है।

पूर्ववर्ती सरकार में कैबिनेट मंत्री और सरकार के प्रवक्ता रहे मदन कोशिक जिन्हें चुनाव पूर्व प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंप दी गई थी इस बार मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए गए साथ ही अब प्रदेश अध्यक्ष के भी बदले जाने की चर्चाओं के बीच वह हैरान परेशान हैं। मगर दर्दे बंया की स्थिति में नहीं है और कह रहे हैं कि कोई नाराजगी नहीं है। बात बिशन सिंह चुफाल की हो या बंशीधर भगत की राजनीति के इस मुकाम पर यह दिन भी देखने पड़ेंगे इसे लेकर हैरान परेशान हैं। विधायक खजान दास और उमेश शर्मा काऊ तथा विनोद चमोली का मंत्री न बन पाने की हसरतों को भी करारा झटका लगा है। पूर्व मंत्री अरविंद पांडे भी मंत्री न बनाए जाने से निराश हैं। दो–दो, चार–चार बार चुनाव जीत कर भी मंत्री न बन पाने वाले विधायकों की फेहरिस्त काफी लंबी है। भले ही वह जानते हैं कि सिर्फ 11 विधायकों को ही मंत्री बनाया जा सकता है लेकिन आशा और उम्मीदों पर ही जीवन चलता है। भाजपा के यह नेता अपनी स्थिति को भी जानते समझते हैं उन्हें पता है कि विरोध किया तो फिर वह भी नहीं मिलेगा जो मिल सकता है। इसलिए अनुशासन का लबादा ओढ़कर कर्मठ कार्यकर्ता बने रहने में ही भलाई है और वही सब कर भी रहे हैं।

सात करोड़ की धोखाधडी में चार नामजद

संवाददाता

देहरादून। चिटफंड के नाम पर सात करोड की धोखाधडी करने फरार चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रबनी निवासी पवित्रा पत्नी सुनील ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि ऋषि एन्क्लेव देहराखास में देहराखास निवासी एहसान हैदर अली पुत्र मौहम्मद युसुफ, जोवद पुत्र मौहम्म युसुफ, शाहनवाज पुत्र मौहम्मद युसुफ व अमान ने यूनाइटेड एग्रो लाइफ इण्डिया लिमिटेड के नाम से एक आफिस खोला तथा लोगों को चिटफंड के नाम पर इंवेस्टमेंट कर ज्यादा मुनाफे का लालच देकर लोगों का लगभग सात करोड रूपया जमा करवा दिया। कुछ दिन बाद जब वह वहां पर पहुचे तो उन्होंने देखा कि उक्त लोगों ने आफिस बन्द कर दिया। जिसके बाद उन्हें पता चला कि उक्त लोगों ने उनके साथ ध ोखाधडी की है।

मोटर चोरी करता गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। घर से पानी की मोटर चोरी करते एक को लोगों ने पकडकर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजीव नगर कण्डोली निवासी रामदास ने रायपुर पुलिस को सूचना दी कि वह जब घर के अन्दर से बाहर आये तो उन्होंने देखा कि एक युवक उनके घर से पानी की मोटर चोरी करके भाग रहा था। उन्होंने शोर मचाया तो आसपास के लोगों ने युवक को पकड लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम नपेन्द्र पुत्र ओमपाल निवासी चिडोवाली कण्डोली बताया।

नकली नोट के कारोबार का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नकली नोट कारोबार (सप्लाई व प्रिंटिंग) का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को 50 हजार के नकली नोट सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने नकली नोट छापने में इस्तेमाल किये जाने वाले प्रिंटिंर व स्कैनर भी बरामद किया गया है।

एसपी देहात प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने बताया कि पिछले कुछ समय से पुलिस को सूचनाएं मिल रही थी कि हरिद्वार जनपद के सीमावर्ती क्षेत्रों में नकली नोटों का कारोबार किया जा रहा है। साथ ही नकली नोटों के कारोबारियों के तार हरिद्वार क्षेत्र से भी जुड़े हो सकते हैं। सूचनाओं पर कार्यवाही करते हुए सीओ लक्सर के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया। इस बीच एक सूचना के तहत पुलिस टीम द्वारा अंतरराज्यीय बॉर्डर मुजफ्फरनगर पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान एक क्विड कार को रोककर तलाशी ली गये तो कार में बैठे कुर्बान उर्फ लालू व मनोज के पास से पुलिस 50 हजार रूपये बरामद किये जो सभी 100–100 के नोट थे। जांच के दौरान वह सभी नोट नकली पाये गये। पूछताछ में कुर्बान ने बताया कि उसने अपने घर सलेमपुर में प्रिंटर/स्कैनर मशीन लगाई हुई है और वह उससे हुबहू नकली नोट निकाल लेता है तथा मार्केट में उक्त नकली नोटों को वह अपने दोस्त मनोज के माध्यम से चलाता है, जो झिंझाना शामली का रहने वाला है। बताया कि इस कारोबार में उन्हें अच्छा खासा मुनाफा हो जाता है, जिसे हम आपस में बांट लेते हैं। ज्यादातर यह नोट हम हरिद्वार, बिजनौर, मुजफ्फरनगर व सहारनपुर आदि के ग्रामीण क्षेत्रों के दुकानदारों को सामान खरीद के बदले देते हैं। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों के दुकानदार नकली नोटों में कम ध्यान देते हैं और उन्हें मालूम भी नहीं रहता। क्योंकि छोटे नोटों को लोग ज्यादा

❑50 हजार के नकली नोट, प्रिंटर-स्कैनर बरामद

ध्यान से नहीं देखते और इसीलिए वह सिर्फ 100 के ही नोट प्रिंट करते थे। जब पुलिस टीम ने कुर्बान की निशानदेही पर उसके घर की तलाशी ली, तो वहां से नकली नोट छापने वाले समान तथा प्रिन्टर/मशीन भी बरामद किया गया है।

बहरहाल पुलिस ने आरोपियों को सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। पुलिस टीम में खानपुर थानाध्यक्ष संजीव थपलियाल, एसआई/चौकी इंचार्ज गोवर्धनपुर नवीन चौहान, एसआई विकास रावत, जोहर सिंह व सिपाही अरविंद रावत, सुधीर कुमार, कुलदीप व होमगार्ड आनंदपाल शामिल रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।